व्यावसायिक संगठन –

कोई भी संस्था इतने अधिक व्यक्तियों को रोजगार नहीं दे सकती, जितना कि एक व्यावसायिक संस्था दे सकती है।

व्यावसायिक व्यापार निम्न प्रकार के होते हैं –

1 – कृषि एवं उद्योग
2 – श्रम प्रधान उद्योग
3 · व्यापार की सहायक सेवाएं – जैसे – बैंकिंग, भण्डार गृह, बीमा संस्था, विज्ञापन संस्था आदि।
4 – देशी एवं विदेशी व्यापार।

स्वामित्व के आधार पर व्यावसायिक संस्थाओं को दो भागों में विभाजित कर सकते हैं –

1 – निजी उपक्रम – Private Enterprise)
2 – राजकीय उपक्रम – ~~Govt~~ (Public Enterprise)

1 – निजी उपक्रम →

(i) एकाकी व्यापार – (Sole Trader)

इसे व्यक्तिगत उपक्रम, एकल स्वामी, व्यक्तिगत व्यवसायिक, एकल व्यापारी इत्यादि नामों से जाना जाता है।

इस व्यवसाय के अन्तर्गत एक ही व्यक्ति व्यवसाय का संगठनकर्ता है वही उसका स्वामी है और व्यवसाय को अपने स्वयं के नाम से चलाता है।

एकाकी व्यापार की विशेषताएं –

1 – स्वामी का दायित्व असीमित होता है।
2 – स्वामी अपनी इच्छा से किसी भी प्रकार के व्यवसाय का चुनाव कर सकता है।

लाभ – 1 – ग्राहकों एवं कर्मचारियों से व्यक्तिगत सम्पर्क रहता है।

Scanned with CamScanner

2- समस्त लाभों पर स्वामी का अधिकार होता है।
3- पूँजी की कम आवश्यकता होती है।
4- अपनी रुचि, योग्यता व क्षमता के आधार पर व्यवसाय का चयन किया जाता है।
5- व्यवसाय की गोपनीयता बनी रहती है।

दोष — 1- साधन सीमित होते हैं।
2- व्यवसायी की अनुपस्थिति में व्यवसाय को क्षति या हानि हो सकती है। या उसकी मृत्यु हो जाने पर व्यवसाय का अंत हो सकता है।
3- असीमित दायित्व के कारण व्यापारी की व्यक्तिगत संपत्तियां भी खतरे में पड़ जाती है।

(ii) साझेदारी - (Partnership) -

साझेदारी ऐसे व्यक्तियों के पारस्परिक संबंध को कहते हैं जो एक व्यवसाय के लाभ को आपस में बाँटने के लिए सहमत हुए हैं।

विशेषताएं — 1- साझेदारी के लिए दो या दो से अधिक व्यक्तियों का होना आवश्यक है।
2- साझेदारों का पंजीयन अनिवार्य नहीं है।

लाभ — 1- इस व्यवसाय की स्थापना एवं समापन आसानी से हो जाता है।
2- एकाकी व्यवसाय की अपेक्षा अधिक पूँजी के साधन
3- सुविचारित एवं संतुलित निर्णय लिए जाते हैं।

दोष — 1- कई बार साझेदारों में मतभेद, मनमुटाव, संघर्ष तथा झगड़ों के कारण साझेदारी खतरे में पड़ जाती है।
2- साझेदारी में कई लोगों के होने से गोपनीयता भंग होने का भय रहता है।

Scanned with CamScanner

3- साझेदारी का अस्तित्व बड़ा अनिश्चित होता है।
4- अधिक जोखिम वाली उपक्रमों के लिए यह प्रारूप अनुपयुक्त रहता है।

(iii) सहकारी संगठन - (Co-operative organization)
सहकारिता का शाब्दिक अर्थ है मिलजुल कर काम करना। सहकारिता का मूल सिद्धान्त, "प्रत्येक सब के लिए और सब प्रत्येक के लिए"

विशेषताएं — 1- यह संगठन व्यक्तियों का ऐच्छिक संगठन है।
2- सहकारिता का मूल उद्देश्य सदस्यों का उन्मूलन करना है।
3- सहकारिता एक सामाजिक-आर्थिक उन्मूलन है।

लाभ — 1- इस संगठन में लाभार्जन की अपेक्षा अपने सदस्यों और उपभोक्ताओं की सेवा पर अधिक ध्यान दिया जाता है।
2- इस संगठन में मालिक तथा कर्मचारियों के बीच संबंध मधुर होता है।
3- रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।
4- यह संगठन अपने सदस्यों में बचत को प्रोत्साहित करता है जिससे पूंजी निर्माण में सहायता मिलती है।

दोष — 1- सहकारी संगठन का प्रमुख दोष अकुशल प्रबन्ध प्रणाली का होना है।
2- अपर्याप्त पूंजी का होना भी असफलता का कारण है।
3- सहकारी आन्दोलन के लिए उचित वातावरण का अभाव पाया जाता है।

Scanned with CamScanner

राजकीय उपक्रम (Public Enterprises)

राजकीय उपक्रम से आशय ऐसे उपक्रम से है जो सरकार के स्वामित्व एवं प्रबन्ध में चलाया जाता है।

विशेषताएं — 1- इस उपक्रम का स्वामित्व सरकार या राज्य के पास होता है अर्थात इसमें कम से कम 51 प्रतिशत पूँजी सरकार द्वारा लगायी जाती है।

2- इन उपक्रमों की स्थापना का उद्देश्य केवल लाभ कमाना ही नहीं होता बल्कि जनकल्याण व राष्ट्रीय हित होता है।

3- इनका नियंत्रण सरकार के हाथों में होता है।

4- ये उपक्रम जनता व सरकार के प्रति जवाबदेह होते हैं।

उद्देश्य — 1- धन का उचित वितरण।

2- आम लोगों को आधारभूत सेवाएं प्रदान करना

3- अन्य उद्योगों के लिए आधार तैयार करना

4- तीव्र औद्योगीकरण एवं आर्थिक विकास करना।

राजकीय उपक्रम के विभिन्न रूप —

(i) सार्वजनिक निगम (ii) विभागीय संगठन

(iii) बोर्ड या समिति (iv) कम्पनी रूप

(v) आयोग (vi) क्षेत्रीय निगम

लाभ — 1- राजकीय उपक्रम देश के प्राकृतिक संसाधनों का समुचित एवं मितव्ययी उपयोग देश के आर्थिक विकास को ध्यान में रखकर किया जाता है।

2- ये उपक्रम बेरोजगारी दूर करने में सहायता देते हैं।

3- सरकार की आय में वृद्धि होती है।

दोष — 1- लालफीताशाही तथा अफसरशाही का वर्चस्व

2- बार-बार राजनैतिक हस्तक्षेप

3- कर्मचारियों के वेतनभोगी होने के कारण व्यक्तिगत लगाव का न होना।

Scanned with CamScanner